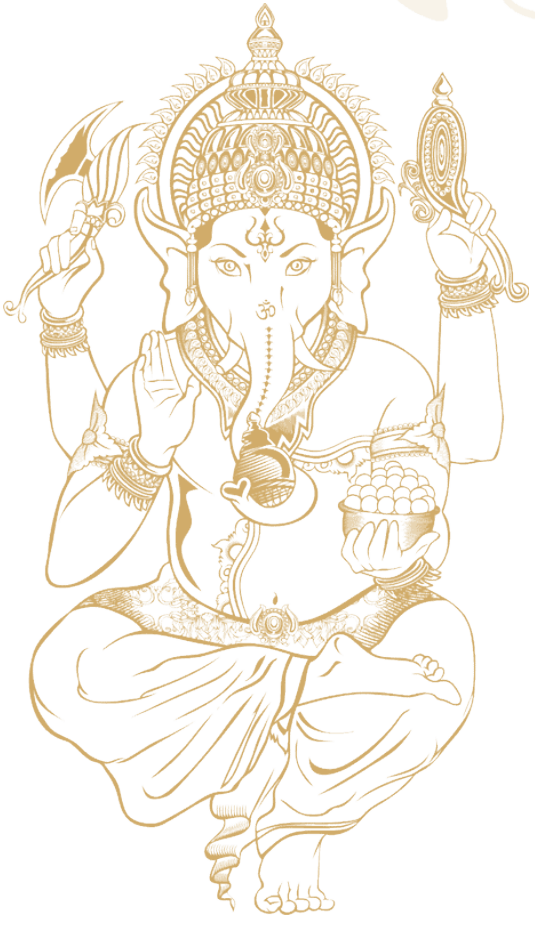

Mr.ashutosh

Supriya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120433103

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/09/1993	जन्म तिथि	15/05/1995
शनिवार	दिन	सोमवार
घंटे 19:55:00	जन्म समय	08:00:00 घंटे
घटी 35:22:58	जन्म समय(घटी)	06:59:26 घटी
India	देश	India
Basti	स्थान	Bengaluru
26:48:00 उत्तर	अक्षांश	12:59:00 उत्तर
82:44:00 पूर्व	रेखांश	77:35:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:56	स्थानिक संस्कार	-00:19:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:45:48	सूर्योदय	05:54:44
18:00:15	सूर्यास्त	18:37:30
23:46:25	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:41

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 17वर्ष 7मा 9दि	11:57:44	मेष	लग्न	वृष	29:54:10	शनि 18वर्ष 11मा 4दि
गुरु	01:54:34	कन्या	सूर्य	वृष	00:01:23	बुध
29/04/2011	06:57:25	तुला	चंद्र	वृश्चि	03:23:01	18/04/2014
29/04/2027	00:32:07	तुला	मंगल	सिंह	01:39:23	19/04/2031
गुरु 16/06/2013	17:53:31	कन्या	बुध	वृष	21:07:52	बुध 14/09/2016
शनि 28/12/2015	24:53:48	कन्या	गुरु व	वृश्चि	18:51:10	केतु 11/09/2017
बुध 04/04/2018	02:34:51	सिंह	शुक्र	मेष	03:56:25	शुक्र 12/07/2020
केतु 11/03/2019	01:06:36	कुंभ व	शनि	कुंभ	28:46:59	सूर्य 19/05/2021
शुक्र 09/11/2021	11:48:51	वृश्चि व	राहु व	तुला	11:46:45	चन्द्र 18/10/2022
सूर्य 28/08/2022	11:48:51	वृष व	केतु व	मेष	11:46:45	मंगल 15/10/2023
चन्द्र 28/12/2023	24:29:15	धनु व	हर्ष व	मक	06:38:24	राहु 04/05/2026
मंगल 03/12/2024	24:38:21	धनु व	नेप व	मक	01:40:36	गुरु 09/08/2028
राहु 29/04/2027	29:33:10	तुला	प्लूटो व	वृश्चि	05:35:17	शनि 19/04/2031

लग्न-चलित

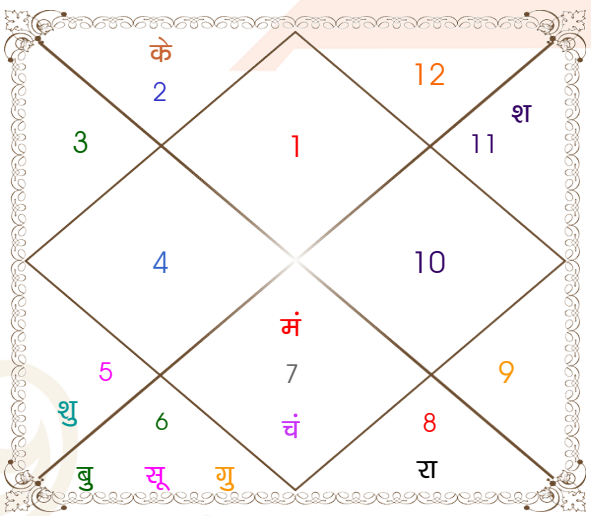

लग्न-चलित

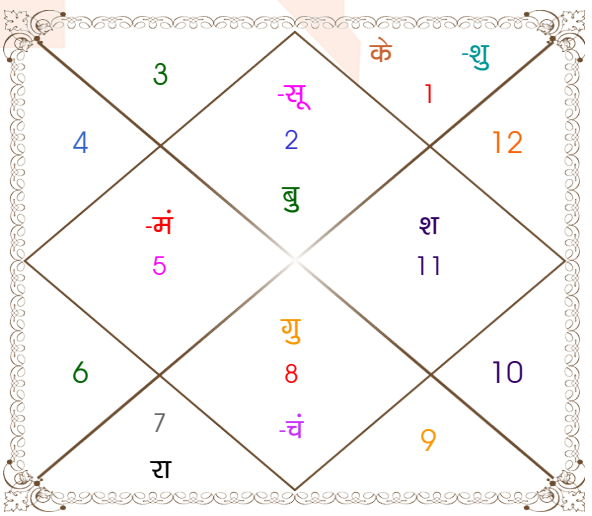

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr.ashutosh का वर्ग मृग है तथा ैनचतपलं का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.ashutosh और ैनचतपलं का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.ashutosh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Mr.ashutosh कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ैनचतपलं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ैनचतपलं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr.ashutosh कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.ashutosh तथा ैनचतपलं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।